ENUS

Venus Industrial Corporation Pvt. Ltd.

Plot No. 262 G & H, Sector-24, Faridabad, Haryana-121005 INDIA PH.: 0129-4062479
E-mail : vicl2@venusind.com CIN - U34300DL1996PTC077781

Dated: 22.07.2023

Via Regd./ Speed Post
BY HAND

To,

Mr. Kundan Sharma,
S/o Sh. Ganga Saran,
Designation-Die Setter
House No. 696, Nangla Enclave,
Part-I, NIT, Faridabad (Haryana)

विषय: आपके पत्र दिनांक NIL के संदर्भ में।

श्रीमान जी,

हमारे आरोप पत्र दिनांक 19.07.2023 के संदर्भ में आपका उपरोक्त पत्र प्राप्त हुआ है जो कि यूनियन के लेटर पैड पर है तथा उक्त पत्र में यूनियन के सर्वश्री Shyam Babu, Harbir Singh, Gopali Singh, Suresh Chand, Mukesh Kumar आदि के भी हस्ताक्षर हैं। क्योंकि यह पत्र यूनियन के द्वारा लिखा गया है अतः इसे आपका व्यक्तिगत रूप से आरोप पत्र का स्पष्टीकरण मान्य नहीं है। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 24 घंटों के अंदर आरोप पत्र दिनांक 19.07.2023 के संदर्भ में स्पष्टीकरण दें की क्यों ना आपके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। यदि आप उपरोक्त दिए गए समय में स्पष्टीकरण देने में असमर्थ रहते हैं तो यह समझा जाएगा की आपके पास अपने ऊपर लगे हुए आरोपों के संदर्भ में कोई व्यक्तिगत रूप से

Regd. Off : Flat No. 1, 2nd Floor, Ram Pratap House, 4 L S C, Kalkaji, New Delhi - 110019

Scanned with CamScanner

Venus Industrial Corporation Pvt. Ltd
Plot No. 262 G & H, Sector-24, Faridabad, Haryana-121005 INDIA PH.: 0129-4062479
E-mail : vicl2@venusind.com CIN - U34300DL1996PTC077781

क देव कुमार अपने श्रमिको को बाहर लेकर नहीं जाता तब तक ना तो हम काम करेंगे और ना किसी को करने देंगे"।

आपके दुर्व्यवहार के कारण संस्था में करीब 20 मिनट सभी विभागों में कार्य बंद रहा जिसके कारण कंपनी को उत्पादन व करीब Rs. 1,00,000/- की वित्तीय हानि हुई और कंपनी का समय पर माल ना भेजने के कारण कंपनी की साख भी ग्राहकों के समक्ष कम हुई।

पके द्वारा किए गए उपरोक्त कृत्य गम्भीर दुराचरण की परिधि में आते है। इसलिए ापको सलाह दी जाती है कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 48 घन्टे के अन्दर-अन्दर लिखित मे स्पष्टीकाण दे कि क्यों न आपके खिलाफ सख्त अनुशानात्मक कार्यवाही की जाए। यदि आप उपरोक्त दिए गए समय के अन्तर्गत लिखित में स्पष्टीकरण देने में असमर्थ रहते है तो यह समझा जाएगा के आप अपने बचाव पक्ष में कुछ नही कहना चाहते। ऐसी परिस्थिति में प्रबधक अपनी आगामी कार्यवाही करने के लिए पूर्णतया बाध्य होंगे।

चूंकि आरोप गंभीर और संगीन प्रकृति के हैं, इसलिए आपको तत्काल प्रभाव से मामले के निपटारे तक निलंबित कर दिया गया है।

For M/s. Venus Industrial Corporation Pvt. Ltd.

Mukesh Kathuria
Director

प्रतिलिपि:

1. Company Main Gate
2. Company Notice Board

Scanned with CamScanner

an Sharma,
anga Saran,
ion-Die Setter, Press Shop
No. 696, Nangla Enclave,
NIT, Faridabad (Haryana)

: आरोप पत्र व निलंबन पत्र

मान जी,

आपके खिलाफ निम्नलिखित आरोप लगाए जाते हैं:

1 दिनांक 15.7.2023 को आप जनरल पाली की ड्यूटी में थे जो प्रातः 8:30 AM से शाम 5:00 PM तक थी। समय करीब 10:10 AM पर टी ब्रेक खत्म होने के उपरान्त श्री जी मैनपावर कांट्रेक्टर के सुपरवाइजर देव कुमार अपने श्रमिकों को शॉप फ्लोर पर काम के बारे में समझा रहे थे तो आप अचानक वहां पर आ गए और देव कुमार को धमकाने लगे और कहने लगे कि "तेरी हिम्मत कैसे हुई शॉप फ्लोर पर आकर अपने श्रमिको को समझाने की" और फिर आपने सभी कामगारों से मशीनें और काम बंद करवा दिया।

2 उसके बाद प्रातः करीब 10:15 बजे श्री एस एम पांडे, AGM HR, घटनास्थल/ शॉप फ्लोर पर पहुचे और उन्होंने वहां पर उपस्थित सुपरवाइजर से काम बंद होने बाबत छान-बीन की। इतने में आपने करीब 25-30 वर्कर्स को लेकर श्री एस एम पांडे का घेराव कर लिया और चिल्ला-चिल्लाकर बोलने लगे की "कोई वर्कर यहा हेलमेट नही लगाएगा और हम अपनी मर्जी से काम करेंगे और जो चाहेंगे वह करेंगे और कोई भी श्रमिक प्रबंधको द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानको का पालन नही करेगा"।

3 तत्पश्चात श्री एम एम पांडे ने आपको व अन्य कामगारो को अपने अपने स्थान पर काम करने के लिए समझाया लेकिन आप आवेश में आ गए और चिल्लाने लगे कि

Regd. Off. Flat No. 1, 2nd Floor, Ram Pratap House, 4 L.S.C. Kalkaji, New Delhi - 110019

Scanned with CamScanner

Venus Industrial Corporation Pvt. Ltd
Plot No. 262 G & H, Sector-24, Faridabad, Haryana-121005 INDIA PH.: 0129-4062479
E-mail : vicl2@venusind.com CIN - U34300DL1996PTC077781

क देव कुमार अपने श्रमिको को बाहर लेकर नहीं जाता तब तक ना तो हम काम करेंगे और ना किसी को करने देंगे"।

आपके दुर्व्यवहार के कारण संस्था में करीब 20 मिनट सभी विभागों में कार्य बंद रहा जिसके कारण कंपनी को उत्पादन व करीब Rs. 1,00,000/- की वित्तीय हानि हुई और कंपनी का समय पर माल ना भेजने के कारण कंपनी की साख भी ग्राहकों के समक्ष कम हुई।

पके द्वारा किए गए उपरोक्त कृत्य गम्भीर दुराचरण की परिधि में आते है। इसलिए ापको सलाह दी जाती है कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 48 घन्टे के अन्दर-अन्दर लिखित मे स्पष्टीकाण दे कि क्यों न आपके खिलाफ सख्त अनुशानात्मक कार्यवाही की जाए। यदि आप उपरोक्त दिए गए समय के अन्तर्गत लिखित में स्पष्टीकरण देने में असमर्थ रहते है तो यह समझा जाएगा के आप अपने बचाव पक्ष में कुछ नही कहना चाहते। ऐसी परिस्थिति में प्रबधक अपनी आगामी कार्यवाही करने के लिए पूर्णतया बाध्य होंगे।

चूंकि आरोप गंभीर और संगीन प्रकृति के हैं, इसलिए आपको तत्काल प्रभाव से मामले के निपटारे तक निलंबित कर दिया गया है।

For M/s. Venus Industrial Corporation Pvt. Ltd.

Mukesh Kathuria
Director

प्रतिलिपि:

1. Company Main Gate
2. Company Notice Board

Scanned with CamScanner